राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षान्त समारोह वर्चुअल आयोजित

नई शिक्षा नीति से देश की शिक्षा व्यवस्था में आएगा सकारात्मक बदलाव

वंचित वर्ग को मिले दूरस्थ शिक्षा का अधिकाधिक लाभ – राज्यपाल

जयपुर, 21 जनवरी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि नई शिक्षा नीति–2020 अत्यंत दूरदर्शी तरीके से सोच विचार कर लायी गई है जिससे देश की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देते हुए कौशल विकास, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता सहित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर फोकस किया गया है।

राज्यपाल श्री मिश्र गुरूवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के वर्चुअल दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को समयबद्ध रूप से लागू करने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालयों में उनके सुझाव पर उच्चस्तरीय समितियां गठित कर इस नीति को लागू करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिये गए हैं।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कृषि आधारित तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किये जाने चाहिए, जिससे कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार हो और किसान आर्थिक रूप से सक्षम तथा खुशहाल बनें। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर, आदिवासी, दिव्यांग तथा समाज के वंचित वर्गों को शिक्षित कर सशक्त बनाने में दूरस्थ शिक्षा को विशेष भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों पर विद्यार्थी समस्या समाधान दिवस आयोजित किये जाने चाहिए ताकि विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे दूर–दराज क्षेत्र के विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें राहत प्रदान की जा सके।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि कुलाधिपति के तौर पर उन्होंने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क बनवाने की पहल की है, जिससे विद्यार्थी भारतीय संविधान की मूल भावना तथा अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग होकर जिम्मेदार नागरिक बनें। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरण जनजागरूकता बढ़ाने को लेकर भी विद्यार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराने की जरूरत है।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए नई शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.एल. गोदारा ने अपने स्वागत उद्बोधन में शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने में इस खुला विश्वविद्यालय के योगदान तथा शिक्षण कार्य में विश्वविद्यालय द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से किये गये नवाचारों की चर्चा की।

दीक्षांत समारोह में मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान एवं तकनीकी, सतत् शिक्षा, वाणिज्य एवं प्रबंध संकायों के पीएचडी, स्नातकोत्तर, स्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को उपाधियां वितरित की गई तथा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गए। मोनिका पाण्डेय एवं मोनिका सोनी को राज्यपाल ने कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्त्तव्यों का वाचन भी करवाया।

समारोह के दौरान राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल सहित अधिकारीगण, शिक्षकगण, शोधार्थी तथा विद्यार्थी ऑनलाइन उपस्थित थे।

——

राज्यपाल ने कंबलों से भरे वाहन को झण्डी दिखाकर रवाना किया

जयपुर, 21 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने गरीब, असहाय एवं वंचित परिवारों में वितरण के लिए गुरुवार को राजभवन से 5 हजार कंबलों से भरे वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

श्रीबालाजी महाराज घाटा मेहंदीपुर ट्रस्ट की ओर से किये गए इस सहयोग के लिए राज्यपाल ने ट्रस्ट की सराहना की। ट्रस्ट के सचिव अजय प्रकाश ने बताया कि राजभवन की ओर से गुरूवार को ही कुष्ठ आश्रम, रैन बसेरों, वृद्वाश्रमों में निवासरत लोगों तथा अनाथालयों के बच्चों को इन कंबलों का वितरण प्रारंभ कर दिया गया।

——